

मोठा विधीतपस वहाति वी। वडासुवक ती कोठ
विपीडि मे अविधे मे अडिवरुं कियो पावु
अविधे बुळस एक फलीप बुळी गड। प्रापा के
प्राप्तर स्वोकाद कियो जावड निगीप अला। स
प्राथा जावड अमील मितल कियो गथो
पुत्रावली निगीते सेवड नपवड से कड
वी

विगीय कुल न्यायालय के हुक्मा मा गथो

उपद
क्रमांक-१०१२